संपादकीय

घिरे हुए इमरान

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान अब एक नई मुसीबत में फंस गए हैं। देश की डगमगाती अर्थव्यवस्था और विदेश नीति को लेकर गहरे दबाव के बीच एक शख्स उनकी कुर्सी के पीछे पड़ गया है। इन हजरत का नाम है मौलाना फजल-उर-रहमान और ये पाकिस्तान की धार्मिक पार्टी जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम के प्रमुख हैं। इन्हें मौलाना डीजल भी कहा जाता है। इनके पिता खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री रह चुके हैं, जबकि खुद मौलाना पाकिस्तानी संसद में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका निभा चुके हैं। फिलहाल मौलाना ने अपने हजारों समर्थकों के साथ राजधानी इस्लामाबाद में डेरा डाल दिया है और इमरान का इस्तीफा लिए बगैर वापस लौटने को तैयार नहीं हैं।

आम चुनावों में धांधली का आरोप लगाते हुए मौलाना ने इमरान को इस्तीफा देने के लिए 48 घंटे का समय दिया था, जिसे उन्होंने 24 घंटे और बढ़ा दिया। मौलाना को पूरे अपोजिशन का समर्थन मिल रहा है। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के नेता बिलावल भुट्टो ने इमरान सरकार को अवैध करार देते हुए कहा कि इस विरोध मार्च को उनकी पार्टी समर्थन देती रहेगी। जेयूआई-एफ के नेता सलाउद्दीन अयूबी ने कहा कि इमरान को देश पर दया दिखाते हुए अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। मौलाना के इस विरोध मार्च को पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पीएमएल (एन) का भी समर्थन हासिल है। बहरहाल, पुलिस ने रविवार को मौलाना के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। उन पर प्रधानमंत्री और सरकारी संस्थानों के खिलाफ लोगों को भड़काने का आरोप है। शिकायत दर्ज कराने वाली महिला ने कहा है कि मौलाना और उनके समर्थक अशांति फैलाने और देशद्रोह के दोषी हैं। वैसे मौलाना पहले भी कई नेताओं की परेशानी का सबब बन चुके है और उनकी मंशा पर भी सवाल उठाए जाते रहे हैं। नवाज शरीफ की सरकार में मौलाना को केंद्रीय मंत्री का दर्जा मिला हुआ था। पिछले साल सरकार विरोधी समूह की ओर से वह राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार भी बनाए गए थे। उन्हें तालिबान का समर्थक माना जाता है, हालांकि कुछ समय पहले से वह खुद के उदारवादी होने की बात कह रहे हैं। मौलाना ने साल 1988 में बेनजीर भुट्टो के प्रधानमंत्री बनने पर साफ कहा था कि एक औरत की हुक्मरानी उन्हें कबूल नहीं है। बाद में विवाद बढ़ने पर उन्होंने इस बयान को वापस ले लिया था। सचाई यह है कि पाकिस्तान की जनता स्थापित पार्टियों के शासन से इतनी हताश हो चुकी है कि उसे मौलाना फजल-उर-रहमान जैसे लोगों में भी एक उम्मीद नजर आने लगी है। इमरान अपने चुनावी वादे पूरे करने में सफल नहीं हो पाए हैं। मुल्क की हालत में बदलाव के कोई ठोस संकेत अभी तक नहीं मिले हैं। इमरान का कहना है कि हालात बदलने में वक्त लगेगा। असल डर इस बात का है कि मौलाना को आगे करके कहीं चरमपंथी तत्व हालात का फायदा न उठाना चाहते हों। जुबानी जमाखर्च से राज चलाने वाली सरकारों से परेशान पाकिस्तान के लिए यह और घातक होगा।

मप्र में काजू सुधारेगा किसानों की माली हालत

भोपाल। मध्य प्रदेश में किसानों की माली हालत सुधारने की दिशा में चल रही कोशिशों में सरकार नवाचारों पर जोर दे रही है और उसी के तहत बंजर पड़ी भूमि पर काजू की खेती को प्रोत्साहित किया जा रहा है और यह किसानों को भी रास आने लगा है, तभी तो किसानों की जिंदगी में खुशियों के रंग भरने के अभियान को शुरुआती सफलता भी मिलती नजर आने लगी है।

राज्य में कभी सूखा, कभी अतिवृष्टि और कभी अधिक उत्पादकता किसानों के लिए समस्या लेकर आती है। यह स्थिति किसान के लिए नुकसान

का सौदा बन जाती है। यही कारण है कि किसानों को एक तरफ सरकार तमाम तरह की रियायत दे रही है तो दूसरी ओर खेती-पशुपालन के क्षेत्र में नवाचारों को प्रोत्साहित कर रही है। काजू की खेती भी उनमें से एक है।

उद्यानिकी विभाग के अधिकारी बताते है कि काजू और कोको विकास निदेशालय, कोच्चि (केरल) ने राज्य के बैतूल, छिन्दवाड़ा, बालाघाट और सिवनी जिले की जलवायु को काजू की खेती के लिए उपयुक्त पाया है। इसी के चलते इन जिलों में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना रफ्तार में इस वर्ष काजू क्षेत्र विस्तार कार्यक्रम को लागू किया गया है। इन जिलों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और सामान्य वर्ग के किसानों ने कुल 1,430 हेक्टेयर क्षेत्र में काजू के एक लाख 60 हजार पौधों का रोपण किया है। इसके अलावा एक लाख 26 हजार पौधे और उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

आधिकारिक ब्योरे के अनुसार, अब तक बैतूल में 1,000, छिंदवाड़ा में 30, बालाघाट और सिवनी में 200-200 किसानों ने अपनी जमीन पर काजू के पेड़ रोपे हैं। औसतन सभी किसानों ने एक-एक हेक्टेयर क्षेत्र में काजू के पौधे रोपे हैं। एक हेक्टेयर क्षेत्र में 200 पेड़ रोपे गए हैं, प्रति पेड़ के बीच की दूरी सात मीटर की होती है।

कर्नाटक के पूर्व क्रिकेटर गौतम, काजी फिक्सिंग के मामले में गिरफ्तार

बेंगलुरू। कर्नाटक के दो पूर्व क्रिकेटर सीएम गौतम और अबरार काजी को स्पॉट फिक्सिंग के मामले में राज्य पुलिस की सेंट्रल क्राइम ब्रांच (सीसीबी) ने गिरफ्तार किया है। इन दोनों को इस साल के शुरुआत में हुए कर्नाटक प्रीमियर लीग (केपीएल) के फाइनल में फिक्सिंग करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

क्रिकइंफो के अनुसार, टूर्नामेंट में बेल्लारी टस्कर्स टीम के कप्तान गौतम और इसी टीम के खिलाड़ी काजी पर हुबली टाइगर्स के खिलाफ हुए फाइनल में फिक्सिंग करने के लिए कथित तौर पर 20 लाख रुपये लेने का आरोप है।

मैच में टस्कर्स को आठ रन से हार झेलनी पड़ी थी। 153 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए टस्कर्स की टीम 144 रनों पर सिमट गई थी। गौतम ने 37 गेंदों पर 29 रन बनाए थे जबकि काजी ने छह गेंदों पर 13 रनों की पारी खेली थी। ऐसा माना जा रहा है कि यह दोनों खिलाड़ी बेंगलुरू ब्लास्टर्स के खिलाफ एक अन्य मैच में भी फिक्सिंग में शामिल थे।

रिकॉर्ड उंचाई पर सेंसेक्स, निफ्टी भी 12,000 के पार

मुंबई। भारतीय शेयर में फिर तेजी के माहौल के बीच प्रमुख संवेदी सूचकांक सेंसेक्स एक नई उंचाई पर पहुंचा और निफ्टी में भी तेजी जारी रही। सेंसेक्स आरंभिक कारोबार के दौरान 40,676 तक जा पहुंचा जोकि अब तक का रिकॉर्ड स्तर है। वहीं, निफ्टी 12,000 के ऊपर के स्तर पर खुला।

बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के 30 शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स सुबह 9.54 बजे पिछले सत्र से 128.57 अंकों की तेजी के साथ 40,599.35 पर कारोबार कर रहा था जबकि इससे पहले सेंसेक्स जोरदार तेजी के साथ 40,625.64 पर खुला और 40,676.64 तक उछला। पिछले सत्र में सेंसेक्स 40,469.78 पर बंद हुआ था।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के 50 शेयरों पर आधारित संवेदी सूचकांक निफ्टी 34.55 अंकों यानी 0.29 फीसदी की बढ़त के साथ 12,000.60 पर कारोबार कर रहा था जबकि सुबह नौ बजे निफ्टी बढ़त के साथ 12,021.10 पर खुला।

परोपकार के लिए हमें टैक्स छूट की जरूरत नहीं : टाटा ट्रस्ट्स

मुंबई। टाटा के ट्रस्टों ने पिछले महीने इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को दिए जवाब में कहा कि उन्हें परोपकार की खातिर टैक्स छूट की जरूरत नहीं है। ट्रस्ट के करीबी अधिकारियों ने बताया कि टाटा ट्रस्ट का मकसद हमेशा से परोपकार करना रहा है, भले टैक्स छूट मिले या न मिले। उनके मुताबिक, इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के साथ कानूनी लड़ाई में हारने पर ट्रस्टों की हालत खराब हो सकती है। छह ट्रस्टों में से एक के डिपार्टमेंट को दिए जवाब में कहा गया है, 'मूलरूप

से ट्रस्ट की स्थापना परोपकार की खातिर हुई थी। इसकी सराहना करना महत्वपूर्ण है। ट्रस्ट ने इस मामले में अपना स्वरूप बरकरार रखा है। उसने सिर्फ रजिस्ट्रेशन छोड़ा है। इनकम टैक्स ऐक्ट (आईटीए) से ट्रस्ट चैरिटी के रूप में अपनी पहचान नहीं करता। हालांकि रजिस्ट्रेशन की वजह से उसे कुछ फायदे मिलते थे क्योंकि ट्रस्ट असल में एक चैरिटी है।' 31 अक्टूबर को मुंबई के प्रिंसिपल कमिश्नर ऑफ इनकम टैक्स ने टाटा के छह ट्रस्टों का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया था। इनमें जमशेदजी टाटा ट्रस्ट, आर डी टाटा ट्रस्ट, टाटा एजुकेशन ट्रस्ट, टाटा सोशल वेलफेयर ट्रस्ट, सार्वजनिक सेवा ट्रस्ट और नवाजबाई रतन टाटा ट्रस्ट के नाम शामिल थे। इनकम टैक्स कानून के कथित उल्लंघन के कारण उनका रजिस्ट्रेशन कैंसल किया गया था।

महिला क्रिकेट : एंटीगा वनडे में जीता भारत, सीरीज पर 2-1 से कब्जा

एंटीगा। स्मृति मंधाना (74) और जेमिमाह रॉड्रिगज (69) की दमदार पारियों की बदौलत भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने यहां खेले गए तीसरे वनडे मैच में वेस्टइंडीज को छह विकेट से पराजित कर दिया। इस जीत के साथ ही मेहमान टीम ने तीन मैचों की सीरीज पर 2-1 से कब्जा किया। वेस्टइंडीज ने पहला वनडे मैच जीता था जबकि मेहमान टीम ने दूसरे और तीसरे मैच में जीत दर्ज की।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की टीम ने 50 ओवरों में 194 रन बनाए। भारत ने दमदार बल्लेबाजी करते हुए 43वें ओवर में ही 4 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

मंधाना को उनकी बेहतरीन पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया जबकि स्टेफनी टेलर प्लेयर ऑफ द सीरीज रहीं।

पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की शुरुआत बेहद खराब रही और 84 के स्कोर पर ही उसके पांच विकट गिर गए। इसके बाद, मेजबान टीम की कप्तान टेलर (79) ने स्टेसी-एन किंग (38) के साथ मिलकर छठे विकेट के लिए 96 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की।

कॉपीराइट उल्लंघन के आरोपों पर बोले आयुष्मान खुराना

आयुष्मान खुराना लगातार अपनी बेहतरीन परफॉर्मेंस से लोगों को दिल जीत रहे हैं। अलग तरह की फिल्मों को चुनने के कारण वह सफल हो रहे हैं लेकिन उनकी अगली फिल्म बाला कई सारे विवादों में फंस गई है।

सबसे पहले फिल्म के मेकर्स का विवाद सनी सिंह स्टारर उजड़ा चमन से हुआ जिसे लेकर कहा गया कि दोनों की कहानियों में काफी समानता है। इसके बाद अब नया विवाद फिल्म के एक गाने को लेकर है। दरअसल, कंपोजर Dr Zeus सोशल मीडिया पर फिल्म के मेकर्स, रैपर बादशाह और सचिन-जिगर पर जमकर बरसे हैं। हाल ही में जब इस बारे में आयुष्मान से पूछा गया तो उन्होंने कहा, यह लेबल्स का कॉल है। उन्हें यूके लेबल से राइट्स मिले। उन्होंने राइट्स के लिए पैसे चुकाए और अब उन्हांने राइट्स खरीद लिए हैं। ऐसे में विवादों को खत्म हो जाना चाहिए।

क्या है विवाद?

बाला का गाना डोन्ट बी शाय Rouge और Dr Zeus के ऑरिजनल गाने का रीमेक है। रीमेक को सचिन-जिगर ने कंपोज किया है और इसे मशहूर रैपर बादशाह और सिंगर शालमली खोलगडे ने अपनी आवाज दी है। जब Dr Zeus को यह गाना कुछ खास रास नहीं आया तो उन्होंने ट्विटर पर फिल्म के मेकर्स, रैपर बादशाह और कंपोजर सचिन-जिगर से नाराजगी जताई।

रितिक रोशन की खूबसूरत बहन पश्मिना रोशन की होगी बॉलिवुड में एंट्री

फिल्म फैमिली के बैकग्राउंड से आने वाले और खुद को हिट ऐक्टर साबित करने वाले रितिक रोशन की कजिन सिस्टर भी अब बॉलिवुड डेब्यू करने जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, म्यूजिक कंपोजर राजेश रोशन की बेटी पश्मिना रोशन फिल्मों में डेब्यू करने के लिए बड़े प्रॉडक्शन हाउस के साथ संपर्क में है।

इससे पहले कयास लगाए जा रहे थे कि पश्मिना होम प्रडॉक्शन में बनी मूवी से डेब्यू करेंगी लेकिन अब इन रिपोर्ट्स को गलत बताया जा रहा है।

सूत्रों के मुताबिक, इस नई स्टार किड अपने चेहरे से 18 साल की लगती हैं और उनकी समझदारी 40 साल के शख्स जैसी है, जबकि वह अभी 23 साल की हैं और 10

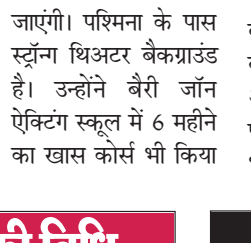

नवंबर को 24 की हो जाएंगी। पश्मिना के पास स्ट्रॉन्ग थिअटर बैकग्राउंड है। उन्होंने बैरी जॉन ऐक्टिंग स्कूल में 6 महीने का खास कोर्स भी किया है। इस स्टार किड ने थिअटर ऐक्टर अभिषेक पांडे और जेफ गोल्डबर्ग से भी ट्रेनिंग ली है। बता दें कि, पश्मिना बीटाउन में कदम रखने वाली रोशन परिवार की तीसरी पीढ़ी की सदस्य होंगी। वैसे रितिक अपनी इस बहन के काफी क्लोज हैं और कई बार उन्होंने पश्मिना के साथ तस्वीरें भी शेयर की हैं।

विधु विनोद चोपड़ा की शिकारा : अ लव लेटर फ्रॉम कश्मीर फरवरी को होगी रिलीज़

फिल्म निर्माता विधु विनोद चोपड़ा ने अपनी नई फिल्म शिकारा की घोषणा की। उनकी हिट फिल्म परिंदा ने अपने 30 साल पूरे कर लिए है। विधु विनोद चोपड़ा फिल्म्स के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से कहा गया, फिल्म शिकारा-ए लव लेटर फ्रॉम कश्मीर 21 फरवरी 2020 को रिलीज होगी। फॉक्स स्टार हिंदी द्वारा प्रस्तुत फिल्म का निर्देशन विधु विनोद चोपड़ा करेंगे। शिकारा का निर्माण विधु विनोद चोपड़ा ही कर रहे हैं। ऐसा पहली बार नहीं है, जब चोपड़ा कश्मीर की थीम को लेकर फिल्म बना रहे हैं। इससे पहले भी वह थ्रिलर फिल्म मिशन कश्मीर वर्ष 2000 में बना चुके हैं। विधु विनोद चोपड़ा परिंदा, खामोश, मिशन कश्मीर, मुन्ना भाई एमबीबीएस, लगे रहो मुन्ना भाई, थ्री इडियट्स, पीके जैसी बेहतरीन फिल्मों के लिए जाने जाते हैं।

आज का राशिफल

मेषः- बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कारोबारी कामकाज मनोनुकूल लाभ देंगे। नौकरी में सुख-शांति बनी रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है।

वृषः- नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी। मान-सम्मान मिलेगा। नए कारोबारी अनुबंध हो सकते हैं। पुराना रोग उभर सकता है।

मिथुनः- धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। किसी धार्मिक आयोजन में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। कोर्ट-कचहरी के कामों में सफलता प्राप्त होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

कर्कः- वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। शारीरिक हानि व कष्ट संभव है। पुरानी व्याधि पर व्यय होगा। किसी अपने ही व्यक्ति से अकारण विवाद हो सकता है।

सिंहः- शत्रुता बढ़ सकती है। वाणी में नियंत्रण आवश्यक है। कुंआरों के लिए वैवाहिक प्रस्ताव आ सकता है। शारीरिक समस्या हो सकती है। कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी।

कन्याः- परिवार के छोटे सदस्यों की अध्ययन संबंधी चिंता रह सकती है। दुष्टजनों से सावधान रहें। स्थायी संपत्ति में वृद्धि हो सकती है। कोई कारोबारी बड़ा सौदा बड़ा लाभ दे सकता है।

तुलाः- शारीरिक कष्ट संभव है। चोट व रोग से बचें। आराम के साधनों पर खर्च होगा। लेखन व पठन-पाठन में समय व्यतीत हो सकता है। सफलता प्राप्त करेंगे। यात्रा मनोरंजक हो सकती है।

वृश्चिकः- पुराना रोग परेशानी का कारण रह सकता है। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद संभव है। क्लेश रहेगा। मन में दुविधा रहेगी। दूर से दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है।

धनुः- दांपत्य जीवन सुखमय व्यतीत होगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। किसी भी विवाद में न पड़ें। प्रयास सफल रहेंगे। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मकरः- किसी भी कानूनी फेर में न पड़ें। वाणी पर संयम रखें। मस्तिष्क पीड़ा हो सकती है। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में अतिथियों का आगमन होगा।

कुंभः- बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभ देगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी।

मीनः- अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। हाथ तंग रहेगा। किसी व्यक्ति से व्यर्थ में विवाद हो सकता है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। भावनाओं को वश में रखें। दिल की बात किसी को नहीं बतलाएं।

नमकीन भरवा पूरी बनाने की विधि

सामग्रीः

400 ग्राम गेहूं का आटा, 200 ग्राम चना दाल, 1-1 चम्मच लहसुन, अदरक व हरी मिर्च का पेस्ट, नमक, लाल मिर्च पावडर, हल्दी स्वाद के मुताबिक चुटकी भर हींग और हरा धनिया, तेल।

विधिः

बता दें कि, चना दाल को 2 घंटे पूर्व पानी में भिगो देवे। आटे में नमक तथा मोयन डालकर गूंथ लेवे। दाल को उबालिए।ठंडा होने पर पीस लेवे।

कड़ाही को गैस पर रखिए, उसमें दो चम्मच तेल रखकर सौंफ तथा हींग का बघार देकर अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर हल्का-सा सेंकिए एवं पिसी हुई दाल व सभी मसाले डालकर कम आंच पर हल्का गुलाबी होने तक सेंकिए। ऊपर से हरा धनिया डालिए।

शब्द सामर्थ्य- 37

बाएं से दाएं
1. याद, स्मरण 3. अग्नि, आग, पवित्र करने वाला 6. गौ जाति का नर 8. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 10. मुस्कुराहट, तबस्सुम 11. खारा, नमक के स्वाद जैसा 14. मुख्यभाग, निचोड़ 16. पिंडली व एड़ी के बीच की दोनों ओर उभरी हड्डी, गुल्फ 18. अद्भुत, विचित्र 21. सम्राट, बादशाह, नरेश 22. कृति, निर्माण करना, बनाना 23. बड़ी थाली 24. समूह, दल 26. एहसानमंद, कृतज्ञ 27. ध्वनि, सदा 28. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर।

ऊपर से नीचे
2. अपमान, अनादर, अवज्ञा 3. जल, नीर, अम्बु 4. वाणी, वादा, कथन 4. कर्म शब्द का अपभ्रंश, भाग्य 7. लकड़ी का घूमने वाला एक गोल खिलौना, बिजली का बल्ब 9. लोग, प्रजा 10. यात्री, राही, पथिक 12. कीड़ा 13. चोचला, अदा 15. दंड 17. अवैध, अनुचित 18. जो आधिकारिक न हो, जो अधिकार प्राप्त न हो 19. जैसा होना चाहिए, ठीक वैसा, सत्यपरक, वाजिब 20. ताकत, शक्ति 24. प्रश्न, समस्या 25. घटना, घटना का वर्णन 26. एक प्रसिद्ध पक्षी जो रात में विचरण करता है, लक्ष्मीजी की सवारी 27. पानी, चमक।

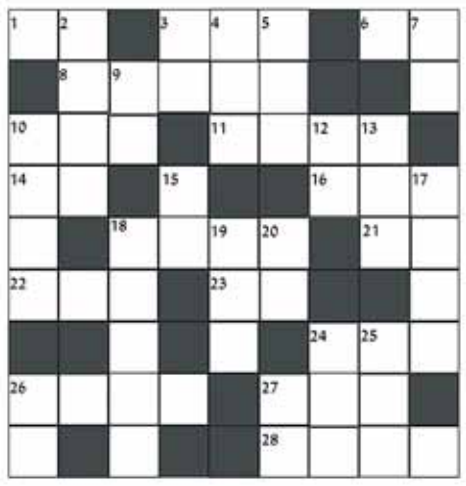

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 36 का हल

टे	ढ़ा	मे	ढ़ा	■	म	हा	र	त
क	■	ह	■	■	■	■	ज	न
■	जा	न	की	■	क	म	नी	य
■	■	त	म	क	ना	■	■	■
म	■	■	त	ह	त	■	दा	ब
सी	मा	■	■	ला	■	स	न	द
हा	थ	म	ल	ना	■	वा	■	च
■	■	द	■	■	घा	ल	मे	ल
■	ब	द	ह	वा	स	■	■	न

सू-दोकू- 37

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.36 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6